'विनय विकास का आधार'

– युवाचार्यश्री महाश्रमण

बीदासर, 16 अप्रैल, 2009।

लोकमहर्षि आचार्यश्री महाप्रज्ञ के सान्निध्य में युवाचार्यश्री महाश्रमण ने फरमाया कि विनय विकास का आधार है। विनय से ज्ञान प्राप्त होता है, ज्ञान से श्रद्धा पुष्ठ होती है और चारित्र की आराधना होती है। जो चारित्र का पालन करता है वह मोक्ष के परम सुख को प्रापत कर लेता है। युवाचार्यश्री ने प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए फरमाया कि जीवन में ज्ञानार्जन के लिए प्रणिपात, जिज्ञासा और सेवा तीनों आवश्यक है।

आचार्य के पद को गरिमापूर्ण बतलाते हुए युवाचार्यश्री ने फरमाया कि गुरु का सम्मान करना चाहिए और अहोभाव के साथ उनके निर्देश को स्वीकार करना चाहिए। आज्ञा का पालन करने वला शिष्य विनीत होता है। सुविनीत शिष्य की कसौटी है कि वह श्रद्धा और भावना के साथ कार्य को संपादित करे और गुरु के इंगित व आकार को भलीभांति समझे। आचार्य शासन के नियन्ता होते हैं, उनका विनय करना शासन का सम्मान है। विवेक युक्त सेवा को मूल्यवान बतलाते हुए युवाचार्यश्री ने आचार्य मघवागणी और कालूगणी की शासन शैली का जिक्र किया तथा फरमाया कि कुमार श्रमण नौ वर्ष की अवस्था में आचार्य तुलसी के हाथों दीक्षित हुए थे तथा शिशु मुनि होने से ही अति सुहावने लगते थे। उनमें बौद्धिकता और विनम्रता का अच्छा संगम है। इस अवसर पर मुनिश्री राजकुमारजी ने गीत पेश किया। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

प्रेक्षा से मन का कौषल बढता है

बीदासर, 16 अप्रैल, 2009।

मनुष्य के पास शक्तिशाली साधन है मन। मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। मन को प्रशिक्षित कर उससे महत्त्वपूर्ण कार्य करवा सकते हैं मन को ही बंधन और मुक्ति का साधन माना है। प्रेक्षाध्यान से मन को प्रशिक्षित किया जाता है, कैसे सोचें, कैसे सही कल्पना करें, स्मृति का संरक्षण और विकास करें। कार्योत्सर्ग से शरीर की चंचलता कम होती है। स्थिरता बढ़ती है, श्वास प्रेक्षा से एकाग्रता के साथ व्यक्ति से संतुलन बढता है। ज्योतिकेन्द्र के ध्यान से भावधारा निर्मल बनती है वहां निर्विचार स्थिति पैदा होती हे।

प्रेक्षा प्रशिक्षक एवं प्रयोग अभ्यास करते हुए प्रेक्षाप्राध्याक मुनिश्री किशनलाल ने मन का प्रशिक्षण देते हुए कायोत्सर्ग के साथ निर्विचार रहने का अभ्यास कराया।

इस अवसर पर शिविरार्थियों ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा – प्रेक्षाध्यान से हमारे स्वभाव में परिवर्तन आ रहा है, शहरी शांति का अनुभव कर रहे हैं, दिल्ली एवं विदेश से आये प्रशिक्षार्थियों ने कहा प्रेक्षाध्यान से हम धन्य हो गये हैं।

शिक्षामंत्री व कांग्रेस प्रत्याशी मण्डेलिया सहित अनेक कांग्रेसी नेताओं ने आचार्यश्री महाप्रज्ञ के दर्शन किये

बीदासर, 16 अप्रैल।

राजस्थान सरकार के शिक्षामंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल चूरूलोक सभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रफीक मण्डेलिया, पूर्व विधायक तारानगर के डॉ. चन्द्रशेखर बैद, पूर्व सांसद श्री नरेन्द्र बुडानियां सहित आचार्यप्रवर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा इस अवसर पर युवाचार्यप्रवर ने मंगलपाठ सुनाकर मंगल कामना का आशीर्वाद प्रदान किया।

– अशोक सियोल